बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-212
03/07/2019

मुख्यमंत्री ने हज यात्रियों के पहले जत्थे की रवानगी के लिये आयोजित दुआईया मजलिस में शिरकत की, कहा आपकी दुआ कबूल हो, आपकी यात्रा कामयाब हो

पटना 03 जुलाई 2019 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने हाजियों के पहले जत्थे को मदिना के लिये रवाना करने से पूर्व हज भवन में आयोजित दुआईया मजलिस में शिरकत की। इस दुआईया मजलिस कार्यक्रम में बिहार राज्य हज कमिटी के अध्यक्ष हाजी मोहम्मद इलियास हुसैन उर्फ सोनू बाबू ने मुख्यमंत्री को फूलों का गुलदस्ता, टोपी एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया।

दुआईया मजलिस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं इसे अपनी खुशकिस्मती मानता हूँ कि एक बार फिर मुझे यहाँ हाजिर होने का अवसर मिला है। विगत कई सालों से इस मौके पर मै शामिल होता रहा हूँ, इससे मुझे खुशी मिलती है और मन को संतोष को मिलता है। उन्होंने कहा कि इस बार कुल 4,950 आजमिन हज यात्रा पर रवाना होने वाले हैं, जिनमें दो हजार से ज्यादा महिलायें शामिल हैं, यह खुशी की बात है। इस बार गया के अलावा कोलकाता से भी कुछ लोग हज यात्रा के लिये रवाना होंगे। मैं सभी हज यात्रियों को बधाई एवं शुभकामनायें देता हूँ। हमारी यही दुआ है कि आपकी दुआ कबूल हो। उन्होंने कहा कि सचमुच मुझे बहुत खुशी हो रही है कि आप सबको वहां जाने का मौका मिला है। हज पर जाने की इच्छा सबकी होती है किन्तु जाते वही हैं, जिनका बुलावा आता है। वहां जाइयेगा तो आप अपने लिये और अपने परिवार के लिये तो दुआ मांगेंगे ही, मेरी गुजारिश है कि आप अपने राज्य एवं मुल्क के लिये भी दुआ मांगिएगा कि राज्य तरक्की करे। तरक्की तभी होगी जब राज्य में अमन–चैन, प्रेम और सद्भाव का माहौल समाज में कायम रहेगा। बिहार इंसाफ एवं तरक्की के रास्ते पर चल पड़ा है, समाज में भाईचारा, मुहब्बत, अमन–चैन, सद्भाव बना रहेगा तो बिहार की तरक्की को कोई रोक नहीं सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन्साफ के साथ तरक्की के रास्ते पर चलकर हर व्यक्ति, हर समुदाय और हर इलाके का विकास करने के प्रति हम प्रतिबद्ध हैं और इस दिशा में काम तेजी से निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि विकास के अलावा समाज में प्रेम और भाईचारा का भाव ही असली तरक्की है। दुआईया मजलिस में सम्मिलित लोगों से आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने धर्म के प्रति प्रतिबद्धता कायम रखते हुए अन्य धर्मों का भी आदर और सम्मान करना हम सबका कर्तव्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार भी मुझे सूखे की स्थिति दिखाई पड़ रही है। 15 दिन आषाढ़ का बीत गया लेकिन अधिकांश जगहों पर न के बराबर वर्षा हुयी है। वर्षा कम और वज्रपात ज्यादा हो रहा है। आप सभी दुआ कीजियेगा कि सूखे की स्थिति कम से कम हो, भयानक स्थिति का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा कि अगर कुदरती माहौल इस प्रकार का बनता है तो हम सब एक साथ मिलकर उस परिस्थिति का मुकाबला करेंगे और उससे

राहत दिलाने का भरपूर प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि हमलोगों ने आपकी सुविधा और सहुलियत के लिये जो भी बन पड़ा है, इसके लिये भरपूर प्रयास किया है। इस काम में जिन अधिकारियों का सहयोग रहा है, मैं उन्हें धन्यवाद देता हूँ ताकि आपको कोई असुविधा न हो। हज यात्रा में लोगों का डेडिकेशन काफी रहता है। आपकी खिदमत करना ही हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि इस बार 24 अधिकारियों को भी यहॉ से भेजा गया है, जिनमें एक महिला अधिकारी भी शामिल हैं। इस बार हज पर जाने वालों में महिलाओं की संख्या काफी है। उन्होंने कहा कि आपकी यात्रा कामयाब हो, यही हमारी शुभकामना है।

इस अवसर पर खानकाह मुनीमिया मितनघाट के सज्जादानशीं हजरत मौलाना सैयद शमीम मुनअमी, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्री खुर्शीद उर्फ फिरोज अहमद, बिहार राज्य हज समिति के अध्यक्ष मो0 इलियास हुसैन उर्फ सोनू बाबू, विधान पार्षद श्री सलमान रागीव, विधान पार्षद श्री खालिद अनवर, पूर्व विधायक श्री इजहार अहमद, बिहार सुन्नी वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष इरशादुल्ल्ला, बिहार सिया वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष श्री इरशाद अली आजाद, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री आमिर सुबहानी, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी श्री प्रवीण मोहन सहाय सहित अन्य कई गणमान्य व्यक्ति, आजमीन ए हाजी एवं बिहार राज्य हज कमिटी से जुड़े लोग उपस्थित थे।

******